विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – अष्टम दिनांक -15 - 01 - 2022

विषय -हिन्दी विषय शिक्षक - पंकज कुमार

सुप्रभात् बच्चों आज उपसर्ग के बारे में पुनः अध्ययन करेंगे।

उपसर्ग

उपसर्ग की परिभाषा

उपसर्ग दो शब्दों से मिलकर बना होता है उप+सर्ग। उप का अर्थ होता है समीप और सर्ग का अर्थ होता है सृष्टि करना। संस्कृत एवं संस्कृत से उत्पन्न भाषाओँ में उस अव्यय या शब्द को उपसर्ग कहते है। अथार्त शब्दांश उसके आरम्भ में लगकर उसके अर्थ को बदल देते हैं या फिर उसमें विशेषता लाते हैं उन शब्दों को उपसर्ग कहते हैं। शब्दांश होने के कारण इनका कोई स्वतंत्र रूप से कोई महत्व नहीं माना जाता है।

उदाहरण: हार एक शब्द है जिसका अर्थ होता है पराजय। लेकिन इसके आगे आ शब्द लगने से नया शब्द बनेगा जैसे आहार जिसका मतलब होता है भोजन।

दूसरे शब्दों में - "उपसर्ग वह शब्दांश या अव्यय है, जो किसी शब्द के आरंभ में जुड़कर उसके अर्थ में (मूल शब्द के अर्थ में) विशेषता ला दे या उसका अर्थ ही बदल दे।" वे उपसर्ग कहलाते है।

जैसे- प्रसिद्ध, अभिमान, विनाश, उपकार।

इनमे कमशः 'प्र', 'अभि', 'वि' और 'उप' उपसर्ग है।

उपसर्ग शब्द के पहले आते है। जैसे- 'अन' उपसर्ग 'बन' शब्द के पहले रख देने से एक शब्द 'अनबन 'बनता है, जिसका विशेष अर्थ 'मनमुटाव' है। कुछ उपसर्गो के योग से शब्दों के मूल अर्थ में परिवर्तन नहीं होता, बल्कि तेजी आती है। जैसे- 'भ्रमण'

शब्द के पहले 'परि' उपसर्ग लगाने से अर्थ में अन्तर न होकर तेजी आयी। कभी-कभी उपसर्ग के प्रयोग से शब्द का बिलकुल उल्टा अर्थ निकलता है।

उपसर्ग की विशेषता

उपसर्ग की तीन गतियाँ या विशेषताएँ होती हैं-

शब्द के अर्थ में नई विशेषता लाना।

जैसे-

- **प्र + बल= प्रबल**
- **अनु + शासन= अनुशासन**
- **शब्द के अर्थ को उलट देना।**

जैसे-

- **अ + सत्य= असत्य**
- **अप + यश= अपयश**

शब्द के अर्थ में, कोई खास परिवर्तन न करके मूलार्थ के इर्द-गिर्द अर्थ प्रदान करना।

जैसे-

- **वि + शुद्ध= विशुद्ध**
- **परि + भ्रमण= परिभ्रमण**

उपसर्ग के भेद

1. **संस्कृत के उपसर्ग**
2. **हिंदी के उपसर्ग**
3. **अंग्रेजी के उपसर्ग**

4. अरबी-फारसी के उपसर्ग